फा. सं. 16015/1/2019-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 22 जुलाई, 2020

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह जून, 2020 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को माह जून, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(जोहन तोपनो)
उप सचिव, भारत सरकार
दूरभाष: 011-23388064

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि :

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव
4. एनआईसी को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: माह जून, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	20.60	60.38
डीएपी	3.52	9.36
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.65	1.25
मिश्रित उर्वरक	6.88	17.84
सिंगल सुपर फॉस्फेट	5.37	12.32

स्रोत : mfms.nic.in 05.07.2020 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	29.72	98.85	33.63
डीएपी	10.27	47.19	12.71
एमओपी	3.87	13.75	2.88
मिश्रित	9.95	49.99	12.89

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	5.75
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	3.41
डीएपी	6.06
एनपीके	1.30

4. एफसीआईएल/एचएफसीएल की बंद यूनिटों की जून, 2020 के दौरान पुनरुद्धार की स्थिति:

(क) <u>रामागुण्डम यूनिट का पुनरुद्धार:</u>

i. <u>परियोजना के विषय में:</u>

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता के गैस-आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार पर एफसीआईएल की रामागुण्डम इकाई के पुनरुद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, रामागुण्डम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनएफएल और ईआईएल प्रत्येक की इक्विटी 26% है और एफसीआईएल की इक्विटी 11% है। इसके अतिरिक्त, आरएफसीएल में तेलंगाना राज्य सरकार की इक्विटी 11%, गेल की 14.3% और एचटीएएस कंसोर्टियम की 11.7% इक्विटी है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में होने वाली मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग (डीओएफ) द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है।

ii. <u>वृद्धिशील प्रगति:</u>

क) मई, 2020 तक समग्र प्रगति 99.58% है।

ख) जून, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 0.05% है।

ग) जून, 2020 तक समग्र प्रगति 99.63% है।

घ) इस समय यह परियोजना चालू किए जाने से पूर्व/चालू किए जाने के चरण में है।

iii. <u>प्रमुख उपलब्धियां:</u>

सभी स्टेकहोल्डरों के संयुक्त प्रयासों से आरएफसीएल द्वारा विभिन्न लक्ष्य प्राप्त किए गए हैं:-

- साइट पर वेंडर के इंजीनियर की मौजूदगी में पीएसी टर्बाइन सोलो रन
- साइट पर वेंडर के इंजीनियर की मौजूदगी में पी-301बीसी, पी-302 और 303 की शुरुआत
- कार्बन-डाई-ऑक्साइड सेक्सन वॉटर सर्कुलेशन और फ्लशिंग का कार्य किया गया
- प्रोसेस पापलाइन की केमिकल क्लीनिंग पूरी की गई
- प्राइमरी रिफॉर्मर कैटालिस्ट की लोडिंग की गई और प्रोसेस लाइसेंसर दूरस्थ पर्यवेक्षण की सहायता द्वारा हेयरपिन असेंबल की गई
- द्वितीयक रिफॉर्मर कैटालिस्ट लोडिंग पूरी की गई और प्रोसेस लाइसेंसर से दूरस्थ पर्यवेक्षण की सहायता से बर्नर लगाया गया
- दूरस्थ परामर्श के जरिये एचटीईआर कैटालिस्ट लोडिंग की गई
- आईडी और एफडी फैन का परीक्षण संचालन पूरा किया गया
- दूरस्थ पर्यवेक्षण सहायता से एलटी शिफ्ट कनवर्टर कैटालिस्ट लोडिंग की गई
- यूसीटी सर्कुलेशन और फ्लशिंग पूरी की गई।
- यूरिया संयंत्र की पंप फ्लशिंग पूरी की गई।
- रेलवे साइडिंग परीक्षण पूरा किया गया।

iv. परियोजना की शीघ्र शुरुआत के लिए, रामागुंडम परियोजना के लिए बीएचईएल द्वारा निष्पादित किए जा रहे वाष्प एवं विद्युत उत्पादन पैकेज को पूरा करने पर जोर देने के लिए **सचिव (उर्वरक) ने दिनांक 21.06.2020 के अ.शा. पत्र के माध्यम से इस मामले को सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय के साथ उठाया।**

(ख) <u>तलचर यूनिट का पुनरुद्धार:</u>

i. <u>परियोजना के बारे में</u>

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता वाले गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार के माध्यम से एफसीआईएल की तलचर यूनिट के पुनरूद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 31.85% और एफसीआईएल की इक्विटी 4.45% है।

टीएफएल संयंत्र कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी पर आधारित है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जा रही है।

ii. **<u>वृद्धिशील प्रगति</u>**:

क) वर्तमान में परियोजना के केवल परियोजना-पूर्व कार्यकलाप चालू हैं तथा साइट पर परियोजना का कार्य शीघ्र ही शुरू होने की संभावना है। परियोजना-पूर्व कार्यकलापों की संचयी प्रगति नीचे दी गई है:-

- मई, 2020 तक समग्र प्रगति 59.48% है।
- जून, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 2.06% है।
- जून, 2020 तक समग्र प्रगति 61.54% है।

ख) सचिव (उर्वरक) ने दिनांक 01.06.2020 के अ.शा. पत्र द्वारा अध्यक्ष टीएफएल को निदेश देते हुए लिखा कि टीएफएल बोर्ड इस परियोजना के हित में परियोजना के उचित निष्पादन तथा निगरानी के लिए अपेक्षित शक्ति संरचनाओं का प्रत्यायोजन करे और एजेंसियां बनाए अन्यथा इसे कर्त्तव्य के निष्पादन में हुई विफलता के रूप में गंभीरता से लिया जाएगा।

ग) विशेष रूप से टीएफएल के लिए यूरिया नीति तैयार करने के संबंध में एक प्रस्ताव पर उर्वरक विभाग द्वारा सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

घ) टीएफएल परियोजना के सितम्बर, 2023 तक चालू किए जाने की संभावना है।

(ग) **<u>गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी यूनिटों का पुनरुद्धार:</u>**

<u>परियोजना के बारे में</u>

मंत्रिमंडल ने दिनांक 13.07.2016 को आयोजित अपनी बैठक में एफसीआईएल की गोरखपुर और सिंदरी यूनिटों तथा एचएफसीएल की बरौनी यूनिट का नामित पीएसयूज का एक संयुक्त उद्यम तैयार करके नामांकन आधार के जरिये पुनरुद्धार किए जाने को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लि. (एचयूआरएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनटीपीसी, आईओसीएल और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 29.67% है जबकि एफसीआईएल के संबंध में यह 10.99% है। एचयूआरएल, गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में प्रत्येक में 1.27 एमएमटीपीए क्षमता की तीन गैस आधारित यूरिया विनिर्माण यूनिटों की स्थापना कर रहा है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है।

जून, 2020 तक की वृद्धिशील प्रगति :

I) गोरखपुर परियोजना

क) मई, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 88.1% है।
ख) जून, 2020 के दौरान वृद्धिशील समग्र एलएसटीके प्रगति 1.0% है।
ग) जून, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 89.1% है।

II) बरौनी परियोजना

क) मई, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 77.6% है।
ख) जून, 2020 के दौरान वृद्धिशील समग्र एलएसटीके प्रगति 2.1% है।
ग) जून, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 79.7% है।

III) सिंदरी परियोजना

क) मई, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 77.6% है।
ख) जून, 2020 के दौरान वृद्धिशील समग्र एलएसटीके प्रगति 1.6% है।
ग) जून, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 79.4% है।

- सभी तीनों परियोजनाओं के लिए सभी मुख्य दीर्घावधि मदों का ऑर्डर दे दिया गया है।
- इन परियोजनाओं द्वारा 2021 तक उत्पादन शुरू किए जाने की संभावना है।

5. **व्यय की स्थिति:**

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए उपलब्ध 73939.00 करोड़ रुपये के बजट की तुलना में जून, 2020 के दौरान उर्वरक राजसहायता प्रदान करने पर 2462.67 करोड़ रुपये (यूरिया: 2457.45 करोड़ रुपये, शहरी कम्पोस्ट: 4.00 करोड रु. और डीबीटी व्यावसायिक: 1.22 करोड़ रुपये) व्यय हुए। जून, 2020 तक 26055.30 करोड़ रु. (पीएंडके उर्वरक: 7786.96 करोड़ रु., शहरी कम्पोस्ट: 11.99 करोड़ रु., यूरिया: 18254.69 करोड़ रु. और डीबीटी व्यावसायिक 1.66 करोड़ रु.) अर्थात कुल आवंटन का 35.24 % व्यय हुआ।

****